



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल, मोतीमहल, ग्वालियर 473000

124

प्रकरण क्रमांक: /2017 निगरानी

MR/अपराधी/राजगढ़/क्रमांक/होना/2663

2663

मान खा पिता दिलावर खा जाति मुसलमान उम्र 66 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 12 जोगी मोहल्ला खिलचीपुर, जिला राजगढ़ (व्यावसाय)

आवेदक

बनाम

1- राजेन्द्र प्रसाद पिता भेकरूलाल नामदेव उम्र 46 वर्ष निवासी क्षीर सागर पुलिया के पास, वार्ड क्रमांक 13 खिलचीपुर, जिला राजगढ़, (व्यावसाय) 4090

2- हल्का पटवारी द्वारा मध्य प्रदेश शासन, तहसीलदार खिलचीपुर 4090

अनावेदकगण

दिनांक 17-8-17 को कार्य
श्री सु-के-सु-का
कोर 27 जेड
17-8-17

शान्ता प्रभासी (स.नं.)
माननीय महालेखिका, मोतीमहल

निगरानी अन्तर्गत धारा 50(1) मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी खिलचीपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 46/2016-17 अपील में पारित आदेश दिनांक 10-07-2017 के विरुद्ध निगरानी समयावधि में प्रस्तुत

माननीय महोदय,

अनावेदक की ओर से निगरानी निम्न तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत है:-

1- यहकि, आवेदक मान खा पिता दिलावर खा ने भूमि स्वापी लीलाबाई पुत्री चुन्नीलाल माली निवासी खिलचीपुर से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक 713/7/1 रकबा 0.047 हैक्टर में से 0.005 हैक्टर 0.18 पैसे कि भूमि दिनांक 02-08-2016 को रजिस्टर विक्रय पत्र द्वारा कय की है । जिसका विधिवत नामान्तरण तहसीलदार महोदय द्वारा किया गया है । जिसका नामान्तरण पंजी क्रमांक 160 होकर दिनांक 05-09-2016 को नामान्तरण किया गया है । जिस पर आवेदक जमीन पर काबिज है । अनावेदक व्यथित व्यक्ति न होने के कारण अर्थात् उक्त प्रकरण में किसी भी प्रकार से आवश्यक पक्षकार भी नहीं है । इस कारण से इस अधीनस्थ न्यायालय में अपील पेश करने का कोई अधिकार नहीं है । अनावेदक उक्त प्रकरण में न केता

✓

सुप्रीम कोर्ट
पुणे
22.11.18

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र०, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक अध्यक्ष/निगरानी/राजगढ़/भूरा/2017/6263

2663

समान
दिनांक

तथा

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभावकों
आदि के
हस्ताक्षर

19.1.18

आवेदक के अधिवक्ता श्री डी० के० शुक्ला उपस्थित होकर शीघ्र सुनवाई का आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि प्रकरण में उभयपक्ष के मध्य राजीनामा हो चुका है। अब प्रकरण नहीं चलाना चाहते हैं।

2--आवेदक के अधिवक्ता द्वारा आवेदक एवं अनावेदक के दस्तावेज प्रमाणित किया गया है। प्रकरण में समझौता आवेदन भी प्रस्तुत किया गया है। आवेदक अधिवक्ता द्वारा आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण में उभयपक्ष के मध्य समझौता होने पर प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है।


सदस्य

